हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

पिंडदान क्यों और कैसे किया जाता है

-पढ़ें पेज 4

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 21 कांगड़ा। शनिवार, 21 सितंबर-27 सितंबर, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 06 अश्विन, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

इंदिरा एकादशी

यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को कई तरह के पुण्य मिलते हैं और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इंदिरा एकादशी का व्रत हर साल अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है।

हिंदू धर्म में अश्विन माह की पहली एकादशी व्रत का बहुत अधिक महत्व होता है। इसे इंदिरा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को कई तरह के पुण्य मिलते हैं और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इंदिरा एकादशी का व्रत हर साल अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए विधि-विधान से पूजा-अर्चना और व्रत किया जाता है। इससे लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 27 सितंबर दिन शुक्रवार को दोपहर 01 बजकर 20 मिनट पर शुरु होगी और 28 सितंबर दिन शनिवार को दोपहर 02 बजकर 49 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार इंदिरा एकादशी का व्रत 28 सितंबर शनिवार को ही रखा जाएगा और 29 सितंबर दिन रविवार को पारण किया जाएगा। जिसका समय सुबह 06 बजकर 13 मिनट से 08 बजकर 36 मिनट तक रहेगा। एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा आराधना की जाती है। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 05 बजकर 23 मिनट से लेकर दोपहर 02 बजकर 52 मिनट तक है। इस पूजा के मुहूर्त मे ब्रह्म मुहूर्त और विजय मुहूर्त शामिल है।

- इंदिरा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें।
- एक साफ स्थान पर एक चौकी पर भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।
- भगवान विष्णु के सामने घी का दीपक जलाएं और व्रत का संकल्प लें।
- भगवान को पीले रंग के फूल चढ़ाएं. पीला रंग भगवान विष्णु को प्रिय है।
- धूप और दीपक जलाकर वातावरण को पवित्र करें।
- भगवान को फल, मिठाई या सात्विक भोजन का नैवेद्य अर्पित करें।
- इंदिरा एकादशी की कथा का पाठ करें और भगवान विष्णु की आरती करें।
- पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करें और गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें।

■ पं. कुलदीप शास्त्री